पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 (1) इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

महर्षि दयानन्द के बलिदान दिवस पर
एक शाम दयानन्द के नाम

भव्य संगीत संध्या

गुरूवार, 15 नवम्बर 2012
सायं 4:00 से 7:30 बजे तक
दिल्ली हाट
पीतमपुरा, दिल्ली
निकट मेट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस

वर्ष-29 अंक-7 भाद्रपद-2069 दयानन्दाब्द 189 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2012 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

8 दिन में 38 वैदिक धर्म दीक्षा समारोह में 4792 युवकों ने यज्ञोपवीत धारण किया

देशभक्त आर्य युवकों का निर्माण करेगी आर्य युवक परिषद् -डा. अनिल आर्य का आह्वान

युवक संस्कार समारोह में मंच पर ब्रह्मा श्री महेन्द्र भाई यज्ञ करवाते हुए साथ में बाएं से श्री प्रवीण आर्य, डॉ. अनिल आर्य, डॉ. वीरपाल विद्यालंकार व शिशुपाल आर्य। द्वितीय चित्र में किशोर व युवक यज्ञोपवित धारण करते हुए।

गाजियाबाद। रविवार, 19 अगस्त 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश एवं आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आर्य समाज, नया आर्य नगर में आयोजित ''युवा संस्कार अभियान के अंतर्गत वैदिक धर्म दीक्षा समारोह'' में 101 युवक, युवतियों ने यज्ञोपवीत धारण किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि हिन्दू समाज संगठित हो तभी देश सुरक्षित रह सकता है। चरित्रवान युवक ही राष्ट्र विरोधी ताकतों का मुकाबला कर सकते हैं क्योंकि चारित्रिक बल सबसे बडा बल होता है। युवकों को जीवन में समयबद्धता, अनुशासन, माता-पिता के आज्ञाकारी, आत्मविश्वास, संकल्पवान और देशभक्त होना चाहिये। ऐसे देशभक्त युवकों का युवक परिषद् निर्माण करती है। चरित्र निर्माण राष्ट्र की सबसे बडी आवश्यक्ता है।

यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य महेन्द्र भाई (राष्ट्रीय महामंत्री,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्) ने कहा कि यज्ञ से त्याग व उपकार की भावना जागृत होती है । यज्ञोपवीत हमारी पुरातन गौरवशाली संस्कृति का आधार है। समारोह में सैंकड़ों आर्य जनों ने भाग लेकर महर्षि दयानन्द के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

समारोह के मुख्य अतिथि स्वदेशी फार्मेसी के निदेशक डा.आर.के.आर्य ने कहा कि आज कन्या भ्रूण हत्या की समस्या बढ़ती जा रही है जो कि देश के लिए चिन्ता जनक है, हमें इसकी गम्भीरता को समझना चाहिए और साथ ही आज फिर समाज में पाखण्ड और अन्ध विश्वास बढ़ रहे हैं जिसका भोले भाले लोग शिकार हो जाते हैं आर्य जनों को चाहिए कि वह समाज से इन बुराईयों को दूर करने के लिए मैदान में आगे आयें ।

श्री शिशुपाल आर्य एवं साथी कलाकार, श्री नरेश चन्द्र व दीनानाथ जी नागिया के आधुनिक साज-बाज पर गाये मधुर भजनों ने श्रद्धालुओं को झुमा दिया।

समारोह के मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान डा.वीरपाल विद्यालंकार ने कहा कि धर्म समाज को जोड़ता है तोड़ता नहीं, वैदिक धर्म सर्वे भवन्तु सुखिनः की बात करता है। पारिवारिक सद्भावना के बिना जीवन सफल नहीं हो सकता, समाज का उत्थान - राष्ट्र का उद्धार नहीं हो सकता। श्रेष्ट संस्कारों से ही युवा पीढी उत्थान के शिखर पर पहुँच सकती है।

समारोह अध्यक्ष आर्य नेता महेन्द्र कुमार सिंघल ने कहा कि व्यक्ति का निज जीवन समाज के लिए आदर्श होना चाहिए आपके जीवन को देख कर ही व्यक्ति आपके अनुगामी बनेंगे । उपनयन का अर्थ है समीपता को प्राप्त करना। आचार्य की सामीप्यता प्राप्त करके बालक शिक्षा द्वारा अपने जीवन को समुन्नत करता है। शिक्षा व्यक्ति को काम करने में समर्थ बनाती है। उपनयन संस्कार मानव निर्माण की आधारशिला है। यज्ञोपवीत के 3 धागे स्वजीवन को समुन्नत बनाना तथा राष्ट्र के लिये भावी सन्तति को समुन्नत बनाकर देने के व्रत के प्रतीक हैं। प्रत्येक भारतीय का यह संस्कार होना चाहिये जिससे राष्ट्र में सद्चरित्र, शिक्षित नागरिक उपलब्ध हो सकें ।

आर्य युवा नेता प्रवीन आर्य ने कहा कि आर्य समाज का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, अब आर्य जनों को राष्ट्र की रक्षा के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद नन्दग्राम-शाखा के युवक-युवतियों द्वारा भव्य योग, व्यायाम एवं शारीरिक शक्ति प्रदर्शन किया गया, जिसकी दर्शकों ने बहुत प्रशंसा की।

समारोह का कुशल संचालन महामंत्री प्रवीन आर्य ने किया। समारोह को सफल बनाने में सुरेश चन्द गुप्ता, सत्यवीर चौधरी, आचार्य रमाशंकर, सौरभ गुप्ता, सुरेश आर्य, प्रमोद चौधरी, के.के.यादव, हर्ष बवेजा, राहुल आर्य, आशीष सिंह, प्रेमपाल सिंह, प्रद्योत पाराशर, सौरभ गुप्ता, आशीष सिंह आदि का विशेष योगदान रहा।

डॉ. सत्यपाल सिंह मुम्बई पुलिस के कमिश्नर बने

आर्य विद्वान् डॉ. सत्यपाल सिंह जी गत दिनों मुम्बई पुलिस के कमिश्नर मनोनीत किए गये। इससे समस्त आर्य जगत् में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई।

उपरोक्त चित्र 29 जनवरी 2012 को अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन दिलशाद गार्डन दिल्ली में मुख्य अतिथि डॉ. सत्यपाल सिंह का अभिनन्दन करते केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश जी, रामकुमार सिंह आर्य। समस्त आर्य जगत् की ओर से हार्दिक बधाई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का वार्षिक आय-व्यय विवरण वर्ष 2011-12

NARULA & GUPTA
Chartered Accountants

AUDITORS' REPORT

TO THE MEMBERS' OF KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD, DELHI

We have audited the attached Balance Sheets of KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD DELHI, Head Office – Kranti Bhavan, Arya Samaj, Kabir Basti, Delhi-110007 and its magazine YUVA UDGOSH (FORTNIGHTLY) as at 31st March 2012 and also the Income & Expenditure accounts for the year ended on that date annexed there to.

Subject to our comments in Schedule 9 annexed hereto, we report that

We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the above name Parishad and Yuva Udgosh so far as appears from our examination of those books;

In our opinion and to the best of our information and according to explanations given to us the said accounts give a true and fair view-

i. In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the Kendriya Arya Yuvak Parishad and Yuva Udgosh as at 31st March, 2012 and

ii. In the case of income and expenditure account
of the Kendriya Arya Yuvak Parishad of the excess of income over expenditure for the year ended on that date;

of the Yuva Udgosh (Fortnightly) of the excess of income over expenditure for the year ended on that date.

For **NARULA & GUPTA**
Chartered Accountants

Suresh Gupta
Partner
Membership No. 92714

New Delhi
25th August, 2012

KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD, DELHI

BALANCE SHEET

	SCH.NO.		AS AT 31.03.2012 (Amount in Rs.)
SOURCES OF FUNDS			
GENERAL FUNDS			
Samanya Nidhi	1		1260685.02
TOTAL			1260685.02
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS	2		
Net Block		1040695.53	
Less:Depreciation		25265.00	1015430.53
CURRENT ASSETS & ADVANCES			
Security Deposits	3	22000.00	
Cash & Bank Balance	4	245859.49	
Prepaid Expenses		5871.00	
Prepaid Electricity		1024.00	
		274754.49	
Less:			
CURRENT LIABILITIES	5		
Other Liabilities		28000.00	
Expenses Payable		1500.00	
		29500.00	
NET CURRENT ASSETS			245254.49
TOTAL			1260685.02
NOTES	9		-

Per our Report attached
For Narula & Gupta
Chartered Accountants

Suresh Gupta
Partner

New Delhi : 25th August, 2012

For Kendriya Arya Yuvak Parishad

Anil Arya
Mahender Bhai
Dharampal Arya

KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD, DELHI

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED 31st MARCH, 2012 — **01.04.2011 TO 31.03.2012**

	SCH.NO.	(Amount in Rs.)
INCOME:		
Donation/Membership	6	2447382.00
Interest Income		13302.00
Profit on Sale of Computer		1520.00
TOTAL		2462204.00
EXPENDITURE:		
Yag & Arya Maha-Sammelan		840727.00
Yuva Udgosh Anudan Sahayata		180000.00
Rashtriya Vaarshik Adhiveshan		205947.00
Ved Prachaar & Utsav		348985.00
Prachaar Vaahan Expenses		49645.00
Shivir Expenses		432271.00
Printing & Stationery		76523.00
Salaries		55700.00
Administrative Expenses	7	134406.00
Other Expenses	8	99068.00
Depreciation	2	25265.00
TOTAL		2448537.00
EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE		13667.00
NOTES	9	

Per our Report attached
For Narula & Gupta
Chartered Accountants

Suresh Gupta
Partner

New Delhi : 25th August, 2012

For Kendriya Arya Yuvak Parishad

Anil Arya
Mahender Bhai
Dharampal Arya

" OM "

" KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD "

Particular	Estimate Expenses 2011-2012	Actual Expenses 2011-2012	Estimate Expenses 2012-2013
Yag & Arya Mahasammelan	1,000,000	840,727	1,000,000
Yuva Udghosh Anudan Sahayata	200,000	180,000	200,000
Rashtriya Varshik Adhiveshan	250,000	205,947	250,000
Ved Prachaar & General Utsav	500,000	348,985	500,000
Prachaar Vahan Expenses	50,000	49,645	60,000
Shivir Expenses	400,000	432,271	450,000
Printing & Stationary	60,000	76,523	75,000
Salary	100,000	55,700	100,000
Office & Miscellaneous	30,000	8,468	30,000
Internet/Website Arya Youth Group	15,000	12,500	15,000
Postage & Courier	50,000	27,080	50,000
Conveyance & Travelling	100,000	19,234	100,000
Telephone	40,000	24,614	40,000
Jalpan (Atithi Satkar)	12,000	3,661	12,000
Donation & Help	100,000	98,700	100,000
Advertisement & Press	20,000	-	20,000
Kabir Basti Kranti Bhawan	30,000	36,780	30,000
Furniture	20,000	39,388	20,000
Scooter	45,000	-	45,000
Maruti Car	350,000	-	350,000
Grand Total :	**33,72,000**	**24,60,000**	**34,47,000**

" KENDRIYA ARYA YUVAK PARISHAD "

Particular	Estimate Income 2011-2012	Actual Income 2011-2012	Estimate Income 2012-2013
	34,00,000	**24,47,382**	**34,50,000**

" YUVA UDGHOSH "

Particular	Estimate Income 2011-2012	Actual Income 2011-2012	Estimate Income 2012-2013
	2,50,000	**3,13,400**	3,00,000

Particular	Estimate Expenses 2011-2012	Actual Expenses 2011-2012	Estimate Expenses 2012-2013
	200,000	**228,125**	250,000

साइबर की आड़ में अपनी विफलता न छिपाए सरकार - अवधेश कुमार

अगर भारत सरकार के तर्क को स्वीकार कर लिया जाए तो असम में भीषण दंगा, वहां तथा देश के अन्य भागों से पूर्वोत्तर के लोगों का दहशत भरे पलायन का मुख्य खलनायक सीमा पार के वेबसाइटों की सामग्रीयां तथा मोबाइल पर आने वाले संदेश हैं। सरकार ने 250 से ज्यादा वेबसाइटों को बाधित किया है तथा ऐसे सबूत एकत्रित किए जा रहे हैं जिसे पाकिस्तान को सौंपा जा सके और वह उन्हें अकाट्य सबूत माने। भारत के गृहमंत्रालय द्वारा पाकिस्तान के कुछ संगठनों द्वारा ब्लॉगों, सोशलनेटवर्किंग साइटों, अन्य वेबसाइटों पर प्रकाशित उत्तेजित करने वाली गलत सामग्रीयों को मुख्य कारण बताए जाने के बाद पाकिस्तान ने इसका जैसा प्रतिवाद किया उससे किसी को आश्चर्य होने का कोई कारण नहीं है। वह पहली नजर में कभी भी भारत में हुए देश विरोधी घटनाओं, हिंसा आदि का स्त्रोत अपनी जमीन को मान ही नहीं सकता। इसलिए उसका रटा-रटाया वाक्य होता है, भारत सबूत दे तो हम कार्रवाई अवश्य करेंगे। पाकिस्तान के आंतरिक मामलों के मंत्री रहमान मलिक ने यही तो कहा है। हमारे गृह सचिव आर. के.सिंह का जवाब है कि हम वाकई उसे अकाट्य सबूत देंगे। दोनों देशों के इस वाद-विवाद से ऐसा वातावरण बना है मानो असम दंगे एवं पलायन के पीछे मुख्य खलनायक पाकिस्तान के वे संगठन और उनके द्वारा साइबरस्पेश पर प्रसारित झूठी और उत्तेजक सामग्रीयां ही हैं।

यह सही है कि ऐसी आपत्तिजनक सामग्रीयां उन साइटों पर थीं और उनके स्त्रोत पाकिस्तान में हैं। गूगल, फेसबुक, याहू जैसी कंपनियों ने सरकार की आपत्तियां स्वीकार उसके द्वारा भेजे गए पत्रों के अनुसार कार्रवाई करना आरंभ किया है। कई वेबसाइटों के सर्वर भी पकड़ में आए हैं जो अमेरिका में स्थित हैं। इस कारण भी उनकी पहचान संभव है। अमेरिका भारत की सहायता कर रहा है। जिस तरह चीन के सिकियांग प्रांत के भूकंप के विनाशकारी दृश्यों को मुसलमानों का कत्लेआम दिखाया गया, म्यान्मार के रखाईन प्रांत के रोहिन्या मुसलमानों एवं बौद्धों के बीच के दंगों की गलत तस्वीरें प्रसारित की गईं, थाईलैंड के प्रदर्शन को भारत का बताया गया और इन सबको आधार बनाकर यह संदेश दिया गया कि भारत में मुस्लिमों के अंत की साजिश रची जा रही है, आपके और इस्लाम के अस्तित्व पर खतरा है उसका कुछ न कुछ असर तो होना ही था। यह सब बिल्कुल सुविचारित, सुनियोजित षडयंत्रों का अंग ही हो सकता है जिसे प्रबंध कौशल से प्रभावी बनाने की कोशिश की गई। निस्संदेह, यह सरकार के लिए ऐसी चुनौती है जिसका सामना करने के लिए विशेषज्ञों और तकनीशियनों का बड़ा तंत्र खड़ा करना पड़ेगा जो इन पर नजर रखे, इनकी मौनिटरिंग करे और आपत्तिजनक सामग्रीयों को आने से रोके या आ जाए तो उसे हटा सके एवं ऐसा करने वालों की पहचान करके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा करे। सूचना तकनीक कानून 2011 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। वेबसाइटों के खिलाफ कार्रवाई आसान नहीं होती, क्योंकि इनसे सामग्रियों व संदेशों को किसी क्षण हटाया जा सकता है, साइट ही बंद किया जा सकता है, गलत आईडी बनाए जा सकते हैं, गलत नामों से सामग्री संदेश डाले जा सकते है....।

हालांकि नेटवर्किंग साइटों के पास संदेश या सामग्री डालने वाले का आईपी पता होता है और सर्वर के पास वेबसाइट से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी। इससे पता लगाने में ज्यादा कठिनाई नहीं हो सकती। कंपनियां आपत्तिजनक सामग्रीयां डालने वालों में से जितने का ब्यौरा देतीं हैं उनमें से जितने पाकिस्तानी होंगे उसकी सूची उसे सौंपी जाएगी। कुछ सामग्रियों पर संगठनों के नाम तक थे। ऐसे 18 संगठनों की सूची गृहमंत्रालय ने बनाई है। पाकिस्तान को सारी जानकारियां सौंपी जाएंगी और वह क्या रुख अपनाता है यह देखना होगा। सरकारी विशेषज्ञ कह रहे हैं कि जिस तरह से सामग्रीयां डालीं गईं उनके लिए विशेषज्ञता चाहिए। इसलिए इसके पीछे व्यापक तंत्र का हाथ लगता है। सरकार का इशारा पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान के उन अंगों से हैं जिनमें भारत विरोधी भावना आज भी भरी हुई है। जो कुछ कहा जा रहा है उन सब संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता है। अफवाहों ने पूरे घटनाक्रम में भूमिका निभाई है और यह खतरनाक प्रवृत्ति है। किंतु इन सबकी आड़ में सरकार अपने दोष से पल्ला कैसे झाड़ सकती है।

आखिर पूरी दुनिया में साईबर आतंकवाद, साइबर मनोवैज्ञानिक युद्ध की बात हो रही है और उसके खिलाफ पूर्वोपाय के कदम उठाए गए हैं। आतंकवाद एवं सीमा पार तथा सीमा के अंदर मौजूद दुश्मनों के इरादों को जानते हुए भी हमने ऐसी भयावह संभावनाओं के खिलाफ क्या पूर्वोपाय किए? हमारा खुफिया तंत्र क्या करता रहा? भारत को भी यह सूचना थी कि भारत विरोधी समूह साइबर जिहाद के नाम पर गलत सूचनाओं और तस्वीरों के जरिए भावनाएं भड़काने का सामाजिक मनोविज्ञान निर्मित करने की साजिश रच रहे हैं। संसद के अंदर सरकार का ब्यान है कि फेसबुक, ट्विटर जैसे सभी सोशल नेटवर्किंग साइटों पर निगरानी बढ़ाई गई है। कहां सोई थी निगरानी की वह प्रणाली? आखिर इतने व्यापक दुश्प्रचार पर नजर न जाना हमारे आतंकवाद विरोधी सारे महकमे की ही तो मिलता है। हम केवल पाकिस्तान को दोष देकर अपना गिरेबान नहीं बचा सकते। पाकिस्तान में तो भारत विरोधी तत्व हैं और वे सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने, मारकाट कराने के लिए जितने साधन संभव है अपनाएंगे। हमने उसकी काट के लिए क्या किया? एसएमस के मामले में तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। बंगलादेश एवं केरल से केवल 13 अगस्त को करीब 6 करोड़ एसएमस आपत्तिजनक एसएमएस भेजे गए। इतनी संख्या में आते एसएमएस क्यों खुफिया निगरानी के दायरे में नहीं आ सके? साइबर आतंकवाद के दूसरे स्वरुप भी विकसित हो चुके हैं और हमारी तैयारी उसके समानांतर बिल्कुल लचर है। साइबर हमलों से निपटने के लिए एक अलग एजेंसी नियुक्त करने की बात सूचना तकनीक कानून में ही है, पर उसे अमल में लाने के लिए क्या किया गया इसकी सूचना देश को नहीं है। तो यह एक पक्ष है जो सरकारी तंत्र की भयानक और शर्मनाक किलता को प्रमाणित करता है। पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करने और पूरा ध्यान उधर फोकस कराने की रणनीति से अपनी किलता का सच नहीं छिप सकता।

जरा याद कीजिए, सरकार ने कुछ महीने पहले भी इन सोशल नेटवर्किंग साइटों के खिलाफ मोर्चा खोला था, लेकिन उसका पूरा दायरा सोनिया गांधी, राहुल गांधी या नेहरु परिवार तथा प्रधानमंत्री पर की गईं टिप्पणियां थीं, उस समय अगर ठीक से ध्यान दिया जाता तो ये दुश्प्रचार भी पकड़ में आते। अब सरकार न जिस तरह असम दंगे और पलायन के खिलाफ बने वातावरण की आड़ में आरएसस से जुड़े कुछ अकाउंट, कुछ स्तंभकारों के अकाउंटों को बंद करने की सिफारिश की है उससे तो कुछ दूसरा ही गंध आ रहा है। इस पूरी स्थिति पर दूसरे नजरिए से भी विचार करने की आवश्यकता है। क्या समूची हिंसा, पलायन आदि के लिए सीमा पार की साइबर सामग्रीयां और मोबाइल पर गलत संदेश ही जिम्मेवार हैं? इससे ऐसा लगता है मानो सोशल नेटवर्किंग साइटों, ब्लॉगों आदि पर भड़काऊ सामग्रीयां नहीं अपलोड होतीं तो न दंगा होता न पलायन। यह न भूलें कि सोशल नेटवर्किंग साइटों सहित पूरी साइबर दुनिया की सीमाएं हैं। ईरान में 2009 के चुनाव के बाद अहमदीनेजाद के खिलाफ विद्रोह को पश्चिम के देशों ने ट्विटर एवं फेसबुक क्रांति का नाम दिया, जबकि ये दोनों वहां थे ही नहीं। हां, बाहर के लोंगो को यूट्यूब, फेसबुक एवं ट्विटर से सूचनाएं मिल रहीं थीं, इसलिए उन्हें ऐसा लगा। ब्लॉग की भी भूमिका सीमित थी, क्योंकि उसे पढ़ने वाले अत्यंत कम थे। आंदोलन चुनाव में गड़बड़ी की दिखती संभावना के विरुद्ध धरातल पर खड़ा हुआ था जो बाहरी दुनिया में अवज्य इस तथाकथित सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित हुआ। हां, मोबाइल संदेश ने लोगों को सड़कों पर आने के लिए अवश्य प्रेरित किया। इसी तरह असम दंगा एवं पलायन में इनकी भूमिका अत्यंत सीमित ही हो सकती है। दंगे की पृष्ठभूमि वहां बोडो आदिवासियों एवं बंगलादेशी घुसपैठिए या उनके वंशज माने जाने वाले मुसलमानों के बीच का बढ़ता तनाव है। वोट की लालच के कारण इसके समाधान से सारी सरकारें कतरातीं रहीं। इस अपराध को आप सीमा पार साइबर के साये में छिपा नहीं सकते।

इनसे स्थिति काफी बिगड़ चुकी है और तत्काल दोनों तरफ के लोगों की हत्या ने आग में घी डाल दिया। इसमें सोशल साइट्स की कोई भूमिका नहीं थी। फिर हमला, आगजनी, हिंसा फैलने लगी और लोग अपने-अपने समुदाय के साथ भागने लगे। यह छानबीन से पता चलेगा कि कितने लोगों ने सोशल मीडिया से प्रभावित होकर या मोबाइल संदेश पढ़कर हिंसा किया या अपना घरबार छोड़ा। दूसरे राज्यों से पलायन के पीछे भी अफवाह एवं गलतफहमी का हाथ था, लेकिन इसका परिमाण भी छानबीन का विषय है। शहरों में कार्यरत पढ़े लिखे युवक युवतियां अवश्य सोशल मीडिया से वाकिफ हैं, लेकिन छोटा मोटा काम करने वाले अनपढ़ या कम पढ़े लिखे इससे अनभिज्ञ हैं। सबसे ज्यादा पलायन करने वाले शहर बेंगलुरु से ही सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रमाण नहीं मिले हैं। हम यह क्यों भूल रहे हैं कि असमी मुसलमानों के ही संगठन ने सांसद बदरुद्दीन तैयबजी की पार्टी ऑल इंडिया युनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों का संगठन माना जाता है जिनकी बदौलत इसे विधानसभा में 18 सीटें मिलीं। इस संगठन की स्थानीय भूमिका की और इसकी ओर से भेजे गए एसएमएस की जांच होनी चाहिए। केरल से किसने एसएमएस भेजे? आश्चर्य की बात है कि इन दो पहलुओं की सरकार चर्चा तक नहीं कर रही है।

ई-30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110092, दूरभाष:- 22483408, 09811027208

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में
251 कुण्डीय विराट यज्ञ
अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन
दिनांक 25, 26, 27 जनवरी 2013, स्थान रामलीला मैदान, अशोक विहार, दिल्ली-52
सभी आर्य जन उपरोक्त तिथियां नोट कर लें व दल बल
सहित पहुंचने का कार्यक्रम बनायें

सोनीपत में 6 वैदिक धर्म दीक्षा समारोह शानदार सफलता से सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् सोनीपत के तत्वावधान में 11 अगस्त से 19 अगस्त 2012 तक 6 स्थानों पर युवा संस्कार समारोह प्रांतीय अध्यक्ष श्री मनोहर लाल चावला के नेतृत्व में सम्पन्न हुये। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री हरिचन्द स्नेही, श्री गुलशन लाल निझावन, श्री हरबंसलाल अरोड़ा, श्रीमती शालनी चावला आदि का योगदान रहा।

वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

अलगाववादी शक्तियां देश की अखण्डता के लिए खतरा

नई दिल्ली। रविवार 26 अगस्त 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अन्तरंग सभा की वार्षिक बैठक आर्य समाज मन्दिर, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी के सभागार में स्वामी आर्य वेश जी की अध्यक्षता में सौल्लास सम्पन्न हुई।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि कभी असम, कभी मुम्बई ओर कभी सुभाष पार्क की घटनायें देश में बढ़ती अलगाववादी व अराजकता वादी शक्तियों की ओर संकेत करते हैं, यह चिन्ता की बात है कि वर्ग विशेष में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। उन्होंने विदेशी घुसपैठ पर चिन्ता व्यक्त करते हुए सीमा सुरक्षा को ओर अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया तथा आंतकवादी कसाब ओर अफजल को अविलम्ब फांसी देने की मांग की गई।

आर्य संन्यासी स्वामी आर्य वेश ने कहा कि आज देश की अधिक बहुसंख्यक आबादी युवाओं की है लेकिन सरकार के पास उनके लिए कोई ठोस योजना न होने के कारण वह दिग्भ्रमित हो रही है। चारित्रिक पतन चरम सीमा पर है व्यक्ति पैसा कमाने के चक्कर में सब कुछ तिलाजंलि देकर बैठा है, आर्य समाज इन भटकती युवा शक्ति को दिशा देने का काम करेगा। राजस्थान से पधारे आर्य नेता सत्यव्रत सामवेदी ने कहा कि आज पाखण्ड, अन्धविश्वास चरम पर है आर्य समाज को इन सबके प्रति आम जनता को सतर्क करने का काम करना है।

बैठक का संचालन परिषद् के महामन्त्री महेन्द्र भाई ने किया। इस अवसर पर प्रवीन आर्य, ब्र.दीक्षेन्द्र, रामकुमार सिंह, धर्मपाल आर्य, दिनेश सिंह,देवदत आर्य, शिशुपाल आर्य, कै.अशोक गुलाटी, गोपाल जैन, डा.वीरपाल विद्यालंकार, अरविन्द मिश्रा आदि ने सम्बोधित किया। परिषद् का वार्षिक आय-व्यय, बजट भी स्वीकृत किया गया।

आनन्दधाम हरिद्वार में योग साधना शिविर

आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज के सानिध्य में बुधवार 10 अक्टूबर से रविवार 14 अक्टूबर 2012 तक योग साधना शिविर वैदिक योग आश्रम आनन्दधाम, हरिपुरकला, हरिद्वार में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क- सुवर्णा भारद्वाज- 09313989311

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धाजंलि

1. श्री सुभाष गुलाटी (भ्राता कै. अशोक गुलाटी) का गत 27 अगस्त 2012 को निधन हो गया।
2. आर्य समाज मदनगीर के मन्त्री श्री हरिचन्द आर्य के भाई का गत 26 अगस्त को निधन हो गया।
3. श्रीमती ज्ञानवती आर्या (वसुंधरा) का गत 19 अगस्त को निधन हो गया।
4. श्रीमती कुसुम लता चौटानी (इन्द्रपुरी) का गत 29 अगस्त को निधन हो गया।

नितेश कुंज में डॉ. अनिल आर्य का अभिनन्दन

बुधवार 15 अगस्त 2012 को नितेश कुंज होटल कम्पलेक्स महिपालपुर, नई दिल्ली में श्री दीपक भारद्वाज की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनिल आर्य को स्मृति चिन्ह प्रदान करते श्री वेदप्रकाश भारद्वाज।

कर्मठ कार्यकर्त्ता श्री भूदेव आर्य का अभिनन्दन

आर्य समाज वजीरपुर, जे.जे. कॉलोनी दिल्ली में आयोजित युवा संस्कार समारोह में समाज के मंत्री श्री भूदेव आर्य का अभिनन्दन करते डॉ. अनिल आर्य, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, श्री रामकुमार सिंह, आचार्य सतीश सत्यम व आचार्य संतोष शास्त्री

पलवल में युवा संस्कार समारोह सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आर्य समाज जवाहर नगर, पलवल में शनिवार 18 अगस्त 2012 को युवा संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती जी ने यज्ञ करवाया। तथा समारोह को सफल बनाने में प्रधान प्रो. जयप्रकाश आर्य, श्री वी.के. आर्य, श्री सतीश आर्य आदि का योगदान रहा।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970